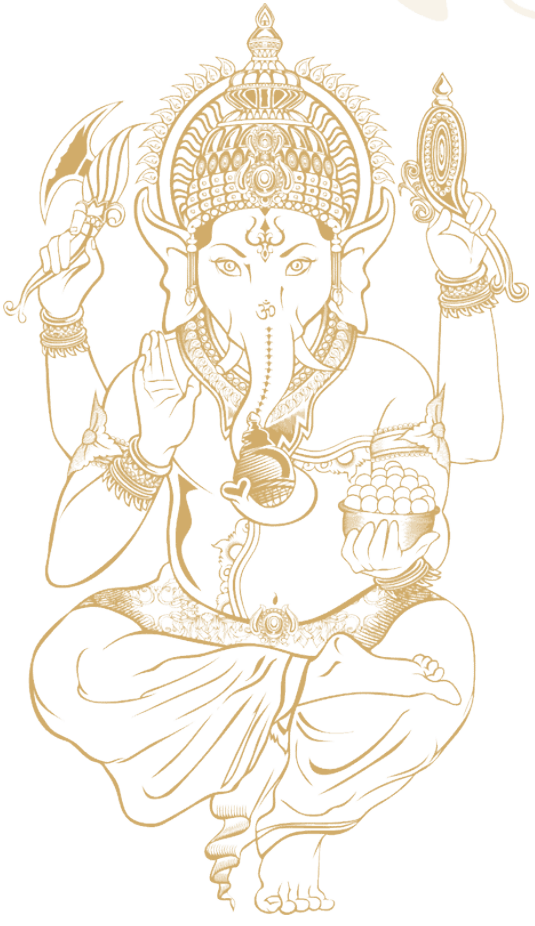

Kishan jai

12 Oct 2000

12:01 AM

Itwa

Model: web-freekundliweb

Order No: 120892702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/10/2000**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**00:01:00 घंटे**
इष्ट	45:09:47 घटी
स्थान	**Itwa**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:20:00 उत्तर
रेखांश	82:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:01:48 घंटे
वेलान्तर	00:13:18 घंटे
साम्पातिक काल	01:24:24 घंटे
सूर्योदय	05:57:05 घंटे
सूर्यास्त	17:34:25 घंटे
दिनमान	11:37:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:52:41 कन्या
लग्न के अंश	06:00:28 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	06:00:28	309:10:41	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			कन्या	24:52:41	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			मीन	05:25:01	12:55:16	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	21:40:26	00:37:26	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			तुला	19:26:02	00:40:18	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	17:07:13	00:02:27	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	27:01:54	01:13:01	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	स्वराशि
शनि	व		वृष	06:21:44	00:02:59	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	26:31:57	00:11:46	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	26:31:57	00:11:46	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	23:07:25	00:00:44	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	09:55:52	00:00:08	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:00:36	00:01:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मीन	28:56:38	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:47

लग्न-चलित

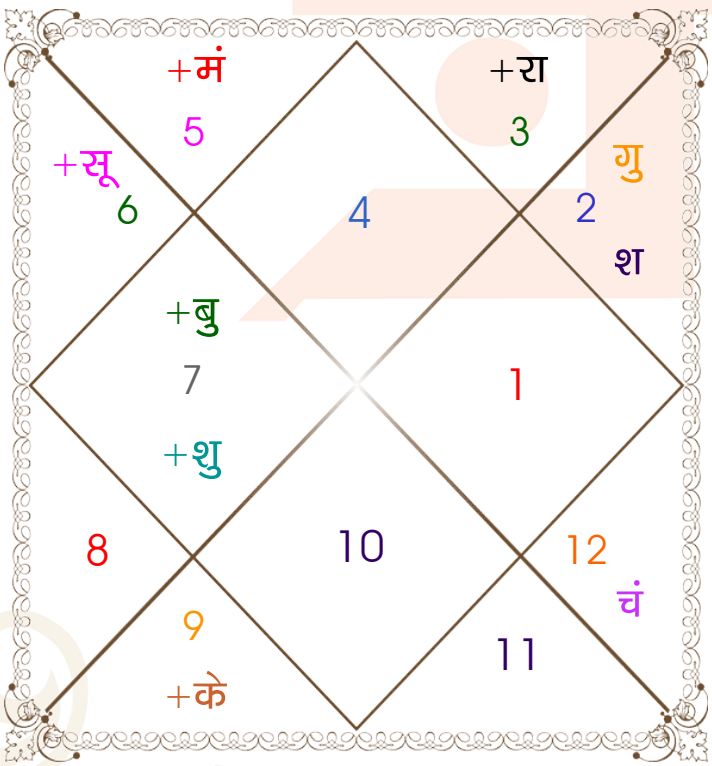

चन्द्र कुंडली

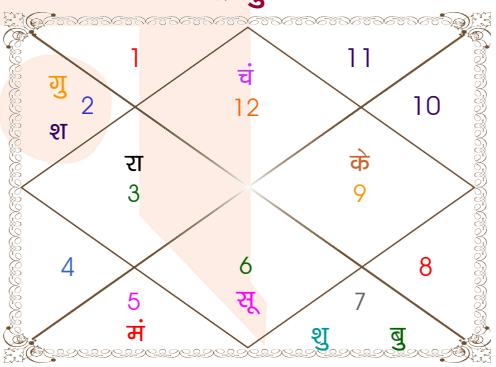

नवमांश कुंडली

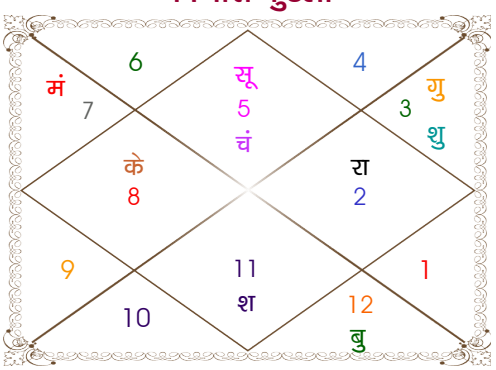

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 0 मास 11 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/10/2000		23/10/2016		23/10/2033		23/10/2040		23/10/2060	
23/10/2016		23/10/2033		23/10/2040		23/10/2060		23/10/2066	
शनि	26/10/2000	बुध	21/03/2019	केतु	21/03/2034	शुक्र	22/02/2044	सूर्य	09/02/2061
बुध	06/07/2003	केतु	18/03/2020	शुक्र	21/05/2035	सूर्य	21/02/2045	चंद्र	11/08/2061
केतु	14/08/2004	शुक्र	16/01/2023	सूर्य	26/09/2035	चंद्र	23/10/2046	मंगल	17/12/2061
शुक्र	14/10/2007	सूर्य	23/11/2023	चंद्र	26/04/2036	मंगल	23/12/2047	राहु	10/11/2062
सूर्य	25/09/2008	चंद्र	23/04/2025	मंगल	22/09/2036	राहु	23/12/2050	गुरु	30/08/2063
चंद्र	27/04/2010	मंगल	21/04/2026	राहु	11/10/2037	गुरु	23/08/2053	शनि	11/08/2064
मंगल	05/06/2011	राहु	07/11/2028	गुरु	17/09/2038	शनि	23/10/2056	बुध	17/06/2065
राहु	11/04/2014	गुरु	13/02/2031	शनि	26/10/2039	बुध	24/08/2059	केतु	23/10/2065
गुरु	23/10/2016	शनि	23/10/2033	बुध	23/10/2040	केतु	23/10/2060	शुक्र	23/10/2066

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/10/2066		23/10/2076		23/10/2083		24/10/2101		24/10/2117	
23/10/2076		23/10/2083		24/10/2101		24/10/2117		00/00/0000	
चंद्र	24/08/2067	मंगल	21/03/2077	राहु	06/07/2086	गुरु	12/12/2103	शनि	13/10/2120
मंगल	24/03/2068	राहु	08/04/2078	गुरु	28/11/2088	शनि	24/06/2106		00/00/0000
राहु	23/09/2069	गुरु	15/03/2079	शनि	05/10/2091	बुध	29/09/2108		00/00/0000
गुरु	23/01/2071	शनि	23/04/2080	बुध	24/04/2094	केतु	05/09/2109		00/00/0000
शनि	23/08/2072	बुध	20/04/2081	केतु	12/05/2095	शुक्र	06/05/2112		00/00/0000
बुध	22/01/2074	केतु	16/09/2081	शुक्र	12/05/2098	सूर्य	22/02/2113		00/00/0000
केतु	23/08/2074	शुक्र	17/11/2082	सूर्य	06/04/2099	चंद्र	24/06/2114		00/00/0000
शुक्र	23/04/2076	सूर्य	24/03/2083	चंद्र	05/10/2100	मंगल	31/05/2115		00/00/0000
सूर्य	23/10/2076	चंद्र	23/10/2083	मंगल	24/10/2101	राहु	24/10/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 0 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।